1. प्रथम प्रेस आयोग

- 23 सितंबर 1952 को प्रथम प्रेस आयोग का गठन
- अध्यक्ष न्यायमूर्ति जे. एस. राजाध्याक्ष

2. दूरदर्शन की स्थापना

- 15 सितंबर 1959 को दिल्ली में

3. भारतीय प्रेस परिषद (PCI) 1966

- शुरुआत **16 नवंबर 1966**
- 1979 में भारतीय प्रेस परिषद का पुनर्गठन

4. दूसरे प्रेस आयोग की स्थापना

- 29 मई, 1978 को मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी सरकार द्वारा के. के. मैथ्यू की अध्यक्षता में
- जनवरी 1980 में जब इंदिरा गांधी की सरकार पुनः सत्ता में आई, तब पुनः न्यायमूर्ति के. के. मैथ्यू की अध्यक्षता में आयोग का पुनर्गठन किया।

5. प्रसार भारती

- **23 नवंबर, 1997** को **प्रसार भारती अधिनियम, 1990** के तहत

6. आपातकाल

- **12 जून 1975** को **इलाहाबाद हाईकोर्ट** ने एक ऐतिहासिक फैसला
- **25 जून 1975** आपातकाल
- आपातकाल **21 महीने** तक चला, जो **21 मार्च 1977** को समाप्त

7. 'सेमियोटिक्स' (Semiotics)

फर्डिनेंड डी सॉस्यूर (Ferdinand de Saussure)

✅ **(i) साइनिफायर (Signifier):**

✅ **(ii) साइनिफाइड (Signified):**

चार्ल्स सैंडर्स पियर्स (Charles Sanders Peirce)

✅ **(i) आइकन (Icon): चिन्ह**

✅ **(ii) इंडेक्स (Index) / संकेत**

✅ **(iii) सिंबल (Symbol) / प्रतीक**

8. Model and Theories

नवाचारों का प्रसार सिद्धांत (Diffusion of Innovations Theory)

एवरेट रोजर्स (Everett Rogers) 1962

एजेंडा-सेटिंग सिद्धांत (Agenda-Setting Theory) 1972

मैक्सवेल मैक्कॉम्ब्स एवं डोनाल्ड शॉ (Maxwell McCombs & Donald Shaw) 1972

उपयोग एवं संतुष्टि सिद्धांत (Uses and Gratification Theory) 1974

इलिहू कात्ज़, जे. ब्लमलर, एवं एम. गुरविच (Elihu Katz, J. Blumler, M. Gurevitch) 1974

मीडिया निर्भरता सिद्धांत (Media Dependency Theory) 1976

सैंड्रा बॉल-रोकीच एवं मेल्विन डीफ्लूर (Sandra Ball-Rokeach & Melvin DeFleur) 1976

नॉर्मेटिव थ्योरी

फ्रेड सीबर्ट, थियोडोर पीटरसन और विल्बर श्राम

फ्रैंकफर्ट स्कूल- 1920

थियोडोर अडोर्नो, मैक्स होर्खाइमर, हर्बर्ट मारक्यूज़, वाल्टर बेंजामिन और जुर्गन हैबरमास

प्रोपेगेंडा मॉडल-1988

एडवर्ड एस. हर्मन (Edward S. Herman) और नोम चॉम्स्की

9. विकास संचार

आधुनिकीकरण सिद्धांत

- डैनियल लेर्नर (Daniel Lerner)- "दी पासिंग ऑफ़ ट्रेडिशनल सोसाइटी" (*1958*)
- वाल्ट व्हिटमैन रोस्तो (Walt W. Rostow)- किताब *"द स्टेजेज ऑफ़ इकनॉमिक ग्रोथ"* (*1960*)

  विकास के पाँच चरणों की एक थ्योरी दी:

  - **पारंपरिक समाज:** कृषि आधारित, कम तकनीक।
  - **टेकऑफ की पूर्व स्थितियाँ:** शिक्षा और तकनीकी सुधार शुरू होते हैं।
  - **टेकऑफ:** औद्योगीकरण तेजी से होता है, निवेश बढ़ता है।
  - **परिपक्वता की ओर बढ़ना:** विभिन्न उद्योग विकसित होते हैं, तकनीकी प्रगति होती है।
  - **उच्च उपभोग की अवस्था:** सेवा क्षेत्र हावी हो जाता है, जीवन स्तर ऊँचा होता है।

वैकल्पिक या सहभागी पैरेडाइम

- **पाउलो फ्रेरे (Paulo Freire):**
  उनकी पुस्तक ***"पेडागोजी ऑफ़ द ओप्रेस्ड"*** में उन्होंने "चेतना जागरण" और "संवाद प्रक्रिया" पर बल दिया।

विल्बर श्रैम-"मैजिक मल्टीप्लायर" (Magic Multiplier) की अवधारणा

डिपेंडेंसी पैरेडाइम- विकासशील देश विकसित देशों पर आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी रूप से निर्भर हैं

- वैकल्पिक दृष्टिकोण के रूप में 1970 के दशक में उभरा
- **आंद्रे फ्रैंक** जैसे समाजशास्त्रियों ने भी डिपेंडेंसी थ्योरी का समर्थन किया।

10. समाचार पत्र

मुद्रण कला की शुरुआत

- **रोमन साम्राज्य** में **जर्मन जोहन्स गुटेनबर्ग** ने **1440 ई.** में प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार

भारत में मुद्रण प्रेस की शुरुआत

- **पुर्तगाली मिशनरियों** के माध्यम-1556 ई. में **सेंट पॉल कॉलेज, गोवा** में भारत का पहला मुद्रण प्रेस स्थापित किया गया।
- 1557 में भारत की पहली मुद्रित पुस्तक **"डॉक्ट्रिना क्रिस्टियाना" या "ईसाई धर्म की शिक्षा"** पुर्तगाली भाषा में

- **भीमजी पारेख** नामक एक भारतीय व्यापारी ने **1674-75** में **बम्बई** (अब मुंबई) में प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया।
- 1766 ई. में विलियम बोल्ट्स ने समाचार प्रकाशन का प्रयास किया
- आधुनिक भारतीय प्रेस का सही प्रारंभ 1780 ई. में जे.ए. हिक्की द्वारा **'बंगाल गजट'**

प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश

- भारत में प्रेस के खिलाफ ब्रिटिश सरकार की नीति की शुरुआत 1799 में **लार्ड वेलेजली** के शासनकाल में हुई
- 1823 में, गवर्नर जनरल जॉन ऐडम ने प्रेस अधिनियम लागू किया- राजा राममोहन राय- समाचार पत्र **'मिरात उल अखबार'** को बंद करने का निर्णय लिया।
- **1857 के विद्रोह** के बाद लार्ड कैनिंग ने प्रेस एक्ट ऑफ 1857 (जिसे **Gagging Act** कहा गया)
- 1878 में लार्ड लिटन ने **वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट** लागू किया
- 1908 में **न्यूजपेपर एक्ट** और 1910 में **इंडियन प्रेस एक्ट** लागू किए गए।

आपातकाल

- **25 जून 1975**
- **संविधान के अनुच्छेद 352** के तहत
- यह आपातकाल **21 महीने** तक चला, जो **21 मार्च 1977** को समाप्त हुआ
- **12 जून 1975** को **इलाहाबाद हाईकोर्ट** ने एक ऐतिहासिक फैसला

11. आयोग / **परियोजना**

हचिन्स आयोग

- 1942 में इस आयोग की स्थापना की गई
- रॉबर्ट हचिन्स (Robert Hutchins) की अध्यक्षता में

रेडियो रूरल फोरम

- **1956** में- **UNESCO** तथा **भारतीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय** के सहयोग से
- 6 राज्यों के कुल **156 गांवों** में

साइट प्रोजेक्ट

- **NASA** के सहयोग से **1975-76** में आयोजित एक प्रयोगात्मक परियोजना थी
- **6 राज्यों** – आंध्र प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, ओडिशा, कर्नाटक और राजस्थान के **2400 गाँवों** में

खेड़ा संचार परियोजना

- **1975 में-** संचालन **ISRO** के **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (सैक), अहमदाबाद** द्वारा

आवर विलेज छतेरा

- 1969 में – यह समाचार पत्र कॉलम प्रसिद्ध अंग्रेज़ी समाचार पत्र *हिन्दुस्तान टाइम्स* में एक पाक्षिक स्तंभ के रूप में

मैकब्राइड आयोग

- यूनेस्को (UNESCO) द्वारा 1977 में गठित एक महत्वपूर्ण समिति
- अध्यक्ष आयरलैंड के प्रसिद्ध नेता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता शॉन मैकब्राइड थे
- "वन वर्ल्ड, मेनी वॉइसेज" रिपोर्ट

सामुदायिक रेडियो

- इसकी नींव **1995 में पांडिचेरी विश्वविद्यालय** द्वारा "जनवाणी" नामक परियोजना से

- सरकारी मान्यता **2002 में** सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों को सामुदायिक रेडियो स्टेशन चलाने की अनुमति दी
- **2006 में गैर-सरकारी संगठनों और कृषक समूहों** को भी सामुदायिक रेडियो की अनुमति दी।
- **100 वाट की सीमा तक** प्रसारण होता है, जिससे यह लगभग **10-15 किलोमीटर** क्षेत्र

12. समिति

- विद्यालयंकर समिति-1964

  रेडियो और टेलीविजन सेवाओं के विस्तार पर ध्यान केंद्रित कर **शिक्षा और राष्ट्रीय एकता** को बढ़ावा देना।

  केन्द्रीय प्रचार के लिए

- **चंदा समिति-1964**

  स्वायत्तता वाली प्रसारण निगम की सिफारिश, और **राज्य प्रतिबंधों** की आलोचना करते हुए **विज्ञापन राजस्व** से वित्त पोषण की आवश्यकता।

  विज्ञापन, आकशवाणी और दूरदर्शन को अलग करने की राय

- **वर्गीज समिति-1964**

  राष्ट्रीय प्रसारण ट्रस्ट और **विकेन्द्रीकृत प्रसारण संरचना** की स्थापना की सिफारिश।

  आपातकाल के बाद, जनता पार्टी द्वारा , स्वायतता के लिए आकाश भारती रिपोर्ट

- **कुलदीप नैयर समिति-1977**

  दमनकारी प्रेस कानूनों को निरस्त करने की सिफारिश।

  समाचार एजेंसी को भंग करके, दो नई न्यूज एजेंसी को बनाने का सुझाव, वार्ता हिंदी के लिए , सन्देश इंग्लिश के लिए, लेकिन इनके सुझाव को नहीं माना गया

- **रामविलास पासवान समिति-1996**

  प्रसार भारती अधिनियम की समीक्षा।

13. Media Law

- **124A (राजद्रोह)- BNS 152-** राजद्रोह को **"राष्ट्र विरोधी गतिविधियाँ"** के तहत परिभाषित किया गया है। **अब सजा: 7 साल या आजीवन कारावास** (IPC की तुलना में सख्त)।
- **292-294 (अश्लीलता)- BNS 292-293-** अश्लील सामग्री के प्रकाशन/वितरण को **डिजिटल माध्यमों तक विस्तारित** किया गया।
- **295A (धार्मिक भावनाएँ आहत करना)- BNS 308-** अब **"धार्मिक समुदाय की भावनाएँ आहत करने"** को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया।
- **499-500 (मानहानि)- BNS 356**
- **अनुच्छेद 19(1)(a)-** अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
- **अनुच्छेद 19(2) -**अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध
- **अनुच्छेद 21 -**जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार
- **अनुच्छेद 361A -**प्रेस की कार्यवाही की रिपोर्टिंग का संरक्षण- संसद और राज्य विधानसभाओं की रिपोर्टिंग पर विशेष संरक्षण दिया गया है यदि रिपोर्टिंग सत्य और निष्पक्ष हो।
- **अनुच्छेद 129 व 215-** न्यायालय की अवमानना -(Contempt of Court)- मीडिया न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर सकता या अदालत की अवमानना नहीं कर सकता।
- **अनुच्छेद 352 -**आपातकाल की उद्घोषणा -युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया जा सकता है। इससे मौलिक अधिकार स्थगित किए जा सकते हैं।

- वायु तरंगों को सार्वजनिक संपत्ति घोषित किया- 1995 में सुप्रीम कोर्ट ने

14. New Media Law Updates

- **सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021** - 25 फरवरी, 2021
- **दूरसंचार विधेयक 2023-** टेलीग्राफ अधिनियम, 1885, वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम, 1933 को निरस्त कर
- **प्रसारण सेवा (विनियमन) विधेयक, 2023 का मसौदा-** प्रसारण मंत्रालय द्वारा 10 नवंबर 2023 को जारी
- **डिजिटल इंडिया अधिनियम, 2023-** सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (Information Technology Act, 2000) का स्थान लेने के लिए
- **प्रेस और पत्रिका पंजीकरण अधिनियम, 2023-** *बुक एंड प्रेस रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1867* को निरस्त कर

- **डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 (गोपनीयता का अधिकार)**- राष्ट्रपति की मंजूरी: 11 अगस्त 2023
- **के.एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ (2017)- गोपनीयता का अधिकार-** इस अधिकार को 2017 के फैसले ने कानूनी और नैतिक मान्यता दी

15. मीडिया की स्वतंत्रता पर हाल के वर्षों में हुए हमले

- **सिद्दीकी कप्पन** (हाथरस कांड की रिपोर्टिंग के दौरान गिरफ्तार)
- **राना अय्यूब** (सरकार विरोधी रिपोर्टिंग और फंडिंग केस
- **मोहम्मद जुबैर** (फैक्ट-चेकिंग व धार्मिक मामलों में ट्वीट्स)
- **विनोद दुआ** (कोविड नीतियों की आलोचना पर राजद्रोह का केस)
- **मुनव्वर फारुकी** (स्टैंड-अप शो में कथित धार्मिक भावनाएं आहत करने पर जेल)
- **ध्रुव राठी**, **रवीश कुमार**, **प्रशांत कनौजिया**, **साक्षी जोशी**, और **आभिनव कुमार** जैसे लोग सोशल मीडिया पर सरकार की आलोचना के चलते ट्रोलिंग, धमकियों और कानूनी कार्रवाई का सामना
- **गौरी लंकेश** (2017): कर्नाटक की पत्रकार और एक्टिविस्ट की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई।
- **BBC के दिल्ली और मुंबई ऑफिस में 2023 में आयकर छापे**-प्रधानमंत्री मोदी से जुड़ी एक डॉक्यूमेंट्री प्रकाशित की थी
- **रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (RSF)** द्वारा जारी **वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम इंडेक्स** में भारत की रैंकिंग-2024 में भारत 180 देशों में से **159वें स्थान** पर

16. भारतीय सिनेमा का इतिहास

- सिनेमा की शुरुआत **7 जुलाई 1896** को हुई जब **लुमियर ब्रदर्स** ने **बॉम्बे (अब मुंबई)** में पहली बार
- पहली **मूक फिल्म "राजा हरिश्चंद्र" (1913)** थी, जिसे **दादा साहेब फाल्के** ने बनाया
- **1931** में **"आलम आरा"** नामक पहली **सवाक फिल्म** (अर्देशिर ईरानी द्वारा निर्देशित)
- **"मदर इंडिया" (1957)- महबूब खान द्वारा निर्देशित, "प्यासा" (1957) -गुरु दत्त द्वारा निर्देशित द्वारा, "मुगल-ए-आज़म" (1960)- के. आसिफ द्वारा**

17. मुद्रण प्रेस

मुद्रण कला की शुरुआत

- **रोमन साम्राज्य** में **जर्मन जोहन्स गुटेनबर्ग** ने **1440 ई.** में प्रिंटिंग प्रेस का आविष्कार

भारत में मुद्रण प्रेस की शुरुआत

- **पुर्तगाली मिशनरियों** के माध्यम-1556 ई. में **सेंट पॉल कॉलेज, गोवा** में भारत का पहला मुद्रण प्रेस स्थापित किया गया।
- 1557 में भारत की पहली मुद्रित पुस्तक **"डॉक्ट्रिना क्रिस्टियाना" या "ईसाई धर्म की शिक्षा"** पुर्तगाली भाषा में
- **भीमजी पारेख** नामक एक भारतीय व्यापारी ने **1674-75** में **बम्बई** (अब मुंबई) में प्रिंटिंग प्रेस स्थापित किया।

- 1766 ई. में विलियम बोल्ट्स ने समाचार प्रकाशन का प्रयास किया
- आधुनिक भारतीय प्रेस का सही प्रारंभ 1780 ई. में जे.ए. हिक्की द्वारा **'बंगाल गजट'**

मुद्रण प्रौद्योगिकियाँ

- लेटरप्रेस प्रिंटिंग को **रिलीफ प्रिंटिंग (Relief Printing)-** इस प्रक्रिया में उठे हुए सतह (रिलीफ) पर स्याही लगाकर कागज पर दबाव डाला जाता है, जिससे छपाई होती है।
- ऑफसेट प्रिंटिंग को **लिथोग्राफी (Lithography)** भी कहा जाता है। ऑफसेट प्रिंटिंग का मूल सिद्धांत इस बात पर आधारित है कि स्याही और पानी के बीच असंगति का उपयोग करके चित्र या ग्राफिक्स को कागज पर प्रिंट किया जाता है।
- ग्रेव्योर प्रिंटिंग को **रोटोग्रेव्योर (Rotogravure)** भी कहा जाता है। यह एक **इंटाग्लियो प्रिंटिंग प्रोसेस (Intaglio Printing Process)** है, जिसमें इमेज को सिलेंडर की सतह पर उकेरा जाता है और स्याही को उभरे हुए हिस्सों में भरकर छपाई की जाती है।

18. जनसंपर्क

- **आइवी ली (Ivy Lee)** -1906 में - रेलरोड संकट के दौरान -"प्रचार" की अवधारणा पेश की
- **एडवर्ड बर्नेज़ (Edward Bernays)** को आधुनिक जनसंपर्क का जनक माना जाता है
    - 1923 में अपनी पुस्तक *Crystallizing Public Opinion* में वैज्ञानिक विधियों और शोध का उपयोग बताया।
- **1948 में PRSA (Public Relations Society of America)** की स्थापना हुई – जिससे जनसंपर्क को पेशेवर मान्यता मिली।
- **1955** में PRSA द्वारा "Public Relations" को आधिकारिक शब्द के रूप में स्वीकार किया गया।
- एथेंस की संहिता 1965 में **"इंटरनेशनल पब्लिक रिलेशंस एसोसिएशन (IPRA)"** द्वारा अपनाई गई थी।

19. विज्ञापन

- 1440 ई. में जोहान्स गुटेनबर्ग द्वारा मुद्रण यंत्र के आविष्कार से विज्ञापन के इतिहास में क्रांतिकारी परिवर्तन आया
- **बेंजामिन डे (Benjamin Day):** उन्होंने 1833 में अमेरिका में *The Sun* नामक पहला सस्ता समाचारपत्र शुरू किया, जिसने विज्ञापन को आय का प्रमुख स्रोत बनाया।
    - **Volney B. Palmer (अमेरिका, 1841):** उन्हें अमेरिका की पहली विज्ञापन एजेंसी का संस्थापक माना जाता है।
    - **जेम्स वॉल्टर थॉम्पसन (James Walter Thompson):** आधुनिक विज्ञापन एजेंसी प्रणाली के जनक माने जाते हैं।
    - **David Ogilvy:** इन्हें "विज्ञापन का पिता" कहा जाता है। इन्होंने ब्रांडिंग, उपभोक्ता मनोविज्ञान और सरल लेकिन प्रभावी संदेश देने की कला को स्थापित किया।
- **DAGMAR मॉडल-** 1961 में **रसेल कोली -**जागरूकता, समझ, विश्वास, और क्रिया।
    - **Awareness**
    - **Comprehension**
    - **Conviction**
    - **Action**
- **Maslow's Hierarchy of Needs Model**

- **Physiological Needs:** खाने-पीने, आवास जैसी बुनियादी जरूरतें।
- **Safety Needs:** सुरक्षा और स्थिरता की आवश्यकता।
- **Social Needs:** सामाजिक संबंधों की आवश्यकता।
- **Esteem Needs:** सम्मान और प्रतिष्ठा की आवश्यकता।
- **Self-Actualization:** आत्म-विकास और सृजनशीलता की आवश्यकता।

- एक प्रभावी विज्ञापन उद्देश्य 'SMART' (Specific, Measurable, Achievable, Relevant, Time-bound) होना चाहिए
- मार्केटिंग मिक्स-4P's के रूप में जाना जाता है: **प्रोडक्ट (उत्पाद), प्राइस (मूल्य), प्लेस (स्थान), और प्रमोशन (प्रचार)**।

20. साइबर क्राइम

- **सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (Information Technology Act, 2000)**
  - **धारा 43 (Section 43):** यह धारा कंप्यूटर, नेटवर्क, या डाटा से संबंधित
  - **धारा 66C (Section 66C):** इसमें किसी की पहचान चुराने और धोखाधड़ी करने के लिए सजा
  - **धारा 66D (Section 66D):** इसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी और फर्जीवाड़े से संबंधित
  - **धारा 67, 67A, 67B:** अश्लील सामग्री या बाल यौन शोषण सामग्री
  - **धारा 69:** सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनज़र
  - **धारा 72 (Section 72):** इसमें गोपनीयता उल्लंघन से संबंधित
  - **साइबर हेल्पलाइन नंबर:** 1930

21. Media Cases

मीडिया स्वतंत्रता से संबंधित मामले

- **रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य -1950-** यह पहला ऐतिहासिक निर्णय था जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मूल अधिकार माना गया। सरकार द्वारा प्रतिबंध को असंवैधानिक ठहराया गया।
- **साकल पेपर्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया -1962 -** सरकार द्वारा अखबारों की संख्या और पेजों को नियंत्रित करने वाले कानून को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया गया।
- **इंडियन एक्सप्रेस बनाम यूनियन -1978 -** आपातकाल के दौरान सेंसरशिप को चुनौती दी गई। कोर्ट ने मुक्त प्रेस के महत्व को रेखांकित किया।

प्राइवेसी और मीडिया से संबंधित मामले

- **गोबिंद बनाम मध्य प्रदेश राज्य 1975** निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में आंशिक मान्यता मिली।
- **के.एस. पुट्टास्वामी बनाम यूनियन ऑफ इंडिया 2017** सुप्रीम कोर्ट ने निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित किया। अदालत ने कहा कि गोपनीयता **अनुच्छेद 14 (समानता), 19 (स्वतंत्रता) और अनुच्छेद 21** (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता) के तहत का अभिन्न अंग है।
- **पेगासस स्पाइवेयर मामला 2021** नागरिकों की जासूसी और निजता उल्लंघन की जांच के आदेश दिए गए। सरकार से जवाबतलबी की गई।

मानहानि (Defamation) से संबंधित मामले

- **रमेश थापर बनाम स्टेट ऑफ मद्रास -1950-** अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मामले में भी मानहानि के खतरे को रेखांकित किया गया।

- **अरुण जेटली बनाम अरविंद केजरीवाल -2019-** ट्वीट और सार्वजनिक बयानों के आधार पर मानहानि का केस। माफी के साथ निपटारा हुआ।
- **शशि थरूर बनाम अर्नब गोस्वामी -2020** -मीडिया द्वारा पूर्वाग्रहपूर्ण रिपोर्टिंग के कारण मानहानि का मामला दर्ज हुआ।

स्टिंग ओपरेशन

- **तेहलका कांड (2001)** – रक्षा सौदों में भ्रष्टाचार उजागर करने वाला प्रसिद्ध स्टिंग ऑपरेशन।
- **स्टिंग ऑपरेशन इंडिया टीवी (2007)** – सांसदों द्वारा प्रश्न पूछने के लिए पैसे लेने का मामला सामने आया।
- **कोबरापोस्ट ऑपरेशन 136 (2018)** – मीडिया संस्थानों द्वारा पैसे लेकर खबरें प्रकाशित करने की सहमति का खुलासा।
- **राधे मां स्टिंग (2015)** – धर्मगुरु की असली छवि दिखाने वाला चर्चित स्टिंग ऑपरेशन।

22. परिभाषा

संचार

कम्युनिकेशन शब्द **लैटिन** भाषा के शब्द **"communicare"** से लिया गया है, जिसका अर्थ है **"साझा करना"** या **"सामान्य बनाना"**

1. **न्यूमन और समर (Newman & Summer)** के अनुसार: "संचार दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच तथ्यों, विचारों, रायों या भावनाओं का आदान-प्रदान है।"
2. **प्रोफेसर क्लाउड शैनन और वॉरेन वीवर (Professor Claude Shannon and Warren Weaver):** "संचार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक जानकारी पहुँचाने की प्रक्रिया है।"

विकास संचार

विकास संचार का अर्थ है संचार माध्यमों और विधियों का उपयोग समाज के समग्र विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए करना। यह संचार प्रक्रिया व्यक्तियों, समूहों, और समुदायों के बीच जानकारी, विचारों, और संदेशों का आदान-प्रदान करती है, जिससे उनका सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक विकास हो सके।

> **यूनेस्को** (UNESCO) के अनुसार, "विकास संचार एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें संचार के सभी साधनों का उपयोग लोगों के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के लिए किया जाता है।"

मीडिया शोध

मीडिया शोध (Media Research) मीडिया की सामग्री, दर्शकों और उनके प्रभावों का व्यवस्थित अध्ययन है, जिसका उद्देश्य यह विश्लेषण करना और समझना है कि मीडिया समाज को कैसे प्रभावित करता है और समाज मीडिया को कैसे प्रभावित करता है।

परिभाषा :

1. **डेनिस मैक्वेल (Denis McQuail)** के अनुसार:
   "मीडिया शोध, संचार प्रक्रियाओं, मीडिया सामग्री और उसके प्रभावों का एक व्यवस्थित और वैज्ञानिक अध्ययन है, जिसका उद्देश्य मीडिया के सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों को समझना है।"
2. **कार्ल होवलैंड (Carl Hovland):** "संचार अनुसंधान वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा हम संचार की प्रक्रिया और प्रभावों के बारे में व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करते हैं।"

पत्रकारिता

"पत्रकारिता" शब्द **"पत्र" (अखबार/पत्रिका) + "कारिता" (कर्म/व्यवसाय)** से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है **"समाचार पत्रों या मीडिया के माध्यम से सूचना देने का कार्य"**।

अंग्रेज़ी शब्द 'Journalism' फ्रेंच शब्द 'Journal' से आया है, जिसका अर्थ है 'दैनिक'। यह लैटिन शब्द 'Diurnalis' से व्युत्पन्न है, जिसका अर्थ भी 'दैनिक' होता है।

1. **डॉ. भीमराव अंबेडकर** के अनुसार:
   "पत्रकारिता वह सशक्त माध्यम है जो जनता और सरकार के बीच सेतु का काम करती है। यह सामाजिक न्याय, शिक्षा और जनजागरण का प्रहरी है।"

2. **लॉर्ड नॉर्थक्लिफ (Lord Northcliffe):**
   "समाचार वही है जिसे कोई कहीं छिपाना चाहता है, बाकी सब प्रचार है।"
   यह परिभाषा पत्रकारिता की खोजी और सतर्क भूमिका को दर्शाती है।

समाचार

समाचार किसी भी नई, महत्वपूर्ण, और रुचिकर घटना, तथ्य, विचार या स्थिति की समय पर दी जाने वाली जानकारी है जो लोगों के लिए प्रासंगिक हो और उन्हें प्रभावित करे। समाचार का उद्देश्य जनता को सूचित करना, शिक्षित करना और जागरूक करना है ताकि वे अपने आसपास की दुनिया को बेहतर ढंग से समझ सकें और निर्णय ले सकें।

- **"समाचार"** शब्द संस्कृत के शब्द **"सम" (सही/पूर्ण) + "आचार" (व्यवहार/जानकारी)** से मिलकर बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है **"सही और पूरी जानकारी"**।

- **जॉन बोगार्ट (John Bogart):**
  "जब कोई कुत्ता आदमी को काटता है, तो यह खबर नहीं है; लेकिन जब कोई आदमी कुत्ते को काटता है, तो वह खबर बन जाती है।"

- **लॉर्ड नॉर्थक्लिफ (Lord Northcliffe):**
  "समाचार वही है जिसे कोई कहीं छिपाना चाहता है, बाकी सब प्रचार है।"
  यह परिभाषा पत्रकारिता की खोजी और सतर्क भूमिका को दर्शाती है।

जनसंपर्क

जन संपर्क (Public Relations) एक सुनियोजित, सतत और द्विपक्षीय संवाद की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य किसी संगठन, संस्था, व्यक्ति अथवा सरकार और जनता के बीच परस्पर समझ, सहयोग, विश्वास और सकारात्मक छवि का निर्माण करना होता है।

एडवर्ड एल. बर्नेज़:

"जन सम्पर्क एक संगठन और उसके जनता के बीच द्विपक्षीय संचार है, जिसका उद्देश्य सूचना का आदान-प्रदान कर समाज की आवश्यकताओं और संगठन के लक्ष्यों में सामंजस्य स्थापित करना है।"

आईवी ली (Ivy Lee):

"जन संपर्क का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि सत्य, सटीकता और पारदर्शिता के साथ जनता को शिक्षित करना तथा संस्था के प्रति विश्वास और समझ पैदा करना है।"

विज्ञापन

"विज्ञापन" शब्द की उत्पत्ति

- **हिंदी शब्द "विज्ञापन"** संस्कृत के शब्द **"वि" (विशेष) + "ज्ञापन" (सूचना देना)** से बना है, जिसका अर्थ है **"विशेष सूचना प्रसारित करना"**।

विज्ञापन की प्रमुख परिभाषाएँ

1. **डेविड ऑगिल्वी (David Ogilvy)** के अनुसार:
   "विज्ञापन वह कला है जो उपभोक्ताओं को उत्पाद खरीदने के लिए राजी करती है, बिना उन्हें यह एहसास कराए कि वे प्रभावित हुए हैं।"
2. **विलियम जे. स्टेंटन के अनुसार:**
   "विज्ञापन एक भुगतान युक्त, गैर-व्यक्तिगत संचार है, जिसमें किसी उत्पाद, सेवा या विचार को बढ़ावा देने के लिए मीडिया के माध्यम से सामान्य जनता को संबोधित किया जाता है।"